Seventeenth Loksabha

an>

Title: Procedural aspect and economic impact of demonitisation carried out in November 2016.

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): सभापति जी, मैं आपकी और सारे देशवासियों की दृष्टि इस विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि आज हिंदुस्तान की आर्थिक हालत जर्जर हो चुकी है। इसका मुख्य कारण यह था कि बिना वजह, बिना सोचे-समझे कदम उठाया गया, जिसका नाम नोटबंदी है। जिस मकसद को सामने रखकर नोटबंदी की गई थी, आज यह साबित हो गया है कि एक भी मकसद, एक भी उद्देश्य सफल नहीं हुआ बल्कि जो कदम उठाए गए, वे नाकाम हो गए हैं।**...** (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप बीच में मत बोलिए। आप बैठ जाएं।

... (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : हिंदुस्तान की आर्थिक हालत बहुत जर्जर हो चुकी है। मैं अपने आंकड़ों के मुताबिक यह कहना चाहता हूं कि यह कहा गया था कि सारा काला धन वापस आएगा। यह कहा गया था कि फर्जी नोट नहीं रहेंगे। यह कहा गया था कि आतंकवाद खत्म होगा। मैं आंकड़े पेश करना चाहता हूं कि वर्ष 2016 में कैश इन सर्कुलेशन लगभग 18 लाख करोड़ रुपये था। आज हिंदुस्तान में लगभग कैश इन सर्कुलेशन 31 लाख करोड़ रुपये है। इसका मतलब कैश इन सर्कुलेशन में 72 फीसदी इजाफा हुआ है। हमारे प्रधान मंत्री जी ने कहा था कि स्विस बैंक में जिनका पैसा है, उन्हें रात को गोली खाकर सोना पड़ेगा।

माननीय सभापति : आप अपनी बात समाप्त कीजिए और बैठ जाएं।

... (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: आज स्विस बैंक में पिछले 14 सालों में सबसे ज्यादा 23500 करोड़ रुपये पड़े हुए हैं। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर हिंदुस्तान की हालत यह है कि वर्ष 2016 में हमारा रैंक 79 दुनिया में था, लेकिन आज 85 रैंक हो गया है।... (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप बैठ जाएं।

... (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : सभापति जी, 500 रुपये के फर्जी नोट 102 प्रतिशत बढ़ चुके हैं और 2 हजार रुपये के फर्जी नोट 55 प्रतिशत बढ़ चुके हैं।**...** (व्यवधान)

माननीय सभापति : डॉ. निशिकांत दुबे।

... (व्यवधान)

डॉ. निशिकांत दुबे (गोड्डा): सभापति जी, कांग्रेस की घड़ी वर्ष 1950 पर रुक गई है। जिस वक्त 17 लाख करोड़ रुपये की इकोनॉमी थी, उस वक्त भारत की इकोनॉमी एक ट्रिलियन की थी और आज तीन ट्रिलियन की है जो कि पांच ट्रिलियन होने वाली है।... (व्यवधान) आरबीआई ने कहा कि नोटबंदी हमारे कारण हुई है और यह वैल थॉट प्रोसेस था। इसका कारण था कि हमारे देश में कांग्रेस के कारण टेरर मनी, आर्म्स मनी, ड्रग्स मनी, ब्लैक मनी और फेक करेंसी का पूरा बोलबाला था और उसे खत्म करने के लिए आरबीआई ने एक बड़ा कदम माननीय प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में उठाया और यही बात सुप्रीम कोर्ट में बार-बार हो रही है।... (व्यवधान) यह कांग्रेस भ्रष्टाचारियों के साथ है, बांग्लादेशियों के साथ है, पाकिस्तान की आईएसआई के साथ है और देश के टुकड़े-टुकड़े करने वाले गैंग के साथ है, इसलिए यह नोटबंदी का विरोध करती है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है, इसलिए इस मामले को उठाने का इनका कोई अधिकार नहीं है।... (व्यवधान)